10

laizs"k.k dkS'ky&III

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले दो पाठों में आपने संस्कृत में आधारिक संप्रेषण कौशल को सीखा। इस पाठ में आपके आगे के स्तर का संप्रेषण कौशल सीखाया जायेगा जिसमें आप विभिन्न परिस्थितियों में संस्कृत भाषा में संप्रेषण कला सीखेंगे।

mís';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- संस्कृत के वाक्यों को निर्माण कर पाने में;
- संस्कृत भाषा में संप्रेषण कर और समझ पानें में; और
- विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार संप्रेषण कर पाने में।

10.1 fe=tu ds e/; lEizs"k.k

त्रीणि मित्राणि सन्ति। एकस्य नाम रमेशः। अपरस्य नाम सुरेशः। अन्यस्य नाम हरीशः इति। ते परस्परं सम्भाषणं कुर्वन्ति :–

नीचे तीन मित्रों के आपसी वार्तालाप को पढ़िये और संप्रेषण वाक्यों को ध्यान से देखिये।

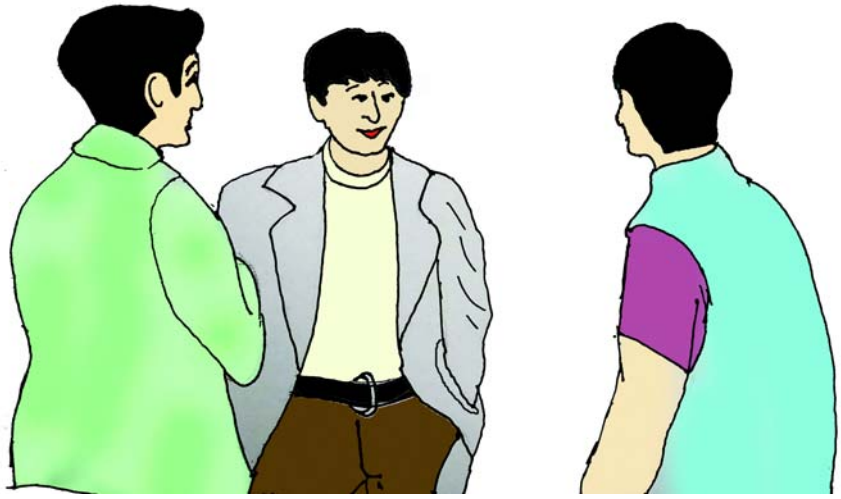

jes'k& **ueLrs A dq'kya ok**

नमस्ते आप कैसे है ?

lqjs'k& **vkeA dq'kye~A**

जी, ठीक।

gjh'k& **Hkork vfi dq'kya ok **

क्या आप भी ठीक है ?

fVIi.kh

je'k%& vkeA vg xUFkky; xPNkfeA Hkoku vkxPNfr ok

हाँ, मैं पुस्तकालय जा रहा हूँ। क्या आप भी आ रहे है ?

**lqj'k%& vkeA vgefi vkxPNkfeA Hkk gjh'kA vg je'k.k lg xUFkky; xPNkfeA Hkoku fda djkfr **

हाँ, मैं भी आ रहा हूँ। ओ हरीश, मैं रमेश के साथ पुस्तकालय जा रहा हूँ। आप क्या कर रहे है ?

gjh'k%& vge vfi vkxPNkfeA Hkoku r= fda iqLrda iBfr

मैं भी आ रहा हूँ। आप वहाँ कौनसी पुस्तक पढ़ते हो ?

**je'k%& vg dFkkiqLrda iBkfeA Hkoku fda iqLrda iBfr **

मैं वहाँ कहानियों की पुस्तक पढ़ता हूँ । आप कौनसी पुस्तक पढ़ते है ?

lqj'k% & vg fp=k.kk iqLrda i';kfeA vg fp=kf.k bPNkfeA

मैं चित्रकला की पुस्तक पढ़ता हूँ। मुझे चित्रकला पंसद है।

**gjh'k%& Hkk je'kA Hkoku dFkkiqLrda fdeFk iBfr **

अरे रमेश आप कहानियों की पुस्तक क्यों पढ़ते हो ?

je'k%& g fe=A vg lUrks"kFk dFkkiLrd iBkfeA vr% dFkk iBkfeA

हे दोस्त। मैं आत्मसंतोष के लिए कहानियों की पुस्तक पढ़ता हूँ।

lj'k%& o;% xPNke%A iLrd iBke%A Kku çkIuq e%A lUrks"ke vuHkoke% A

आओ चलें। किताबे पढ़े और ज्ञान पायें। संतोष का अनुभव करें ।

'kCnkFk

वा – कि

अपि – भी

भो – अरे

यदा – कब

तदा – तब

कदा – कब

यदा तथा तदा शब्दों का प्रयोग एक साथ होता है – यदा अहं भोजनं करोमि तदा सः अपि भोजनं करोति, परंतु प्रश्न करते समय कदा शब्द का प्रयोग होता है।

ikBxr iz'u& 10-1

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाठ को आधार मानकर दीजिये–

   i. कति मित्राणि सन्ति ?

   ii. रमेशः कुत्र गच्छति ?

   iii. रमेशेण सह कः गच्छति ?

   iv. रमेशः किमर्थं कथापुस्तकं पठति ?

   v. सुरेशः किं पश्यति ?

10.2 Hkkstu ds le; ekrk&iq= ds e/; lEHkk"k.k

भोजन करते समय हमें आपस में अधिक बाते नहीं करनी चाहिए। भोजन हमेशा शांतचित के साथ रसमय होकर करना चाहिए। परंतु भोजन की मात्रा लेने अथवा इंगित करने के लिए हम कभी कभी वार्तालाप करते हैं। ऐसी ही माता–पुत्र के मध्य की वार्तालाप यहाँ दी गई है। इसको ध्यान से पढ़कर अपने संप्रेषण कौशल में वृद्धि कीजिए।

माता– पुत्र। भोजनार्थम् आगच्छति वा?

पुत्रः– आम्। अहम् आगच्छामि। किं कृतवती भवती भोजनार्थम्?

माता–अन्नं सारः पायसं कृतवती। भवान् पायसम् इच्छति वा?

पुत्रः– आम्। मधुरं भवति। अहम् इच्छामि।

माता–अन्नं परिवेशयामि वा? अन्नं बहु उष्णम् अस्ति।

पुत्रः– मास्तु। मास्तु। मधुरं प्रथमं खादामि। अनन्तरम् अन्नं खादामि।

(माता पायसं परिवेशयति)

माता–पर्याप्तं वा पायसम्?

पुत्रः– आम् प्रथमवारं पर्याप्तम्। अनन्तरम् इतोपि खादामि।

माता–कथम् अस्ति पायसम्?

पुत्रः– सम्यक् अस्ति। अहं सन्तोषम् अनुभवामि।

माता–पुत्र। इतोपि अवश्यकं वा पायसम्?

r`rh; d{kk

fVIi.kh

पुत्रः— मास्तु। मास्तु। अन्नं खादामि।

माता— इतोपि तक्रम् अस्ति। सारः अस्ति।

पुत्रः— उदरं पूरितम्। अहं न खादामि। आनन्दम् अनुभवामि।
अहम् इदानीं निद्रां करोमि।

1. 'kCnkFk

नीचे दिये गये शब्दार्थो के आधार पर ऊपर के संप्रेषण वाक्यों को पुनः समझने की कोशिश कीजिए।

परिवेशयामि – परोशना

उष्णम् – गर्म

मास्तु – नहीं

पर्याप्तम् – पर्याप्त

प्रथमवारम् – पहली बार

अनुभवामि – अनुभाव

तक्रम् – छाछ

उदरम् – पेट

न – नहीं

इदानीम् – अब

पाठगत प्रश्न- 10.2

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये–

   i. माता कम् आह्वयति ?

   ii. माता पुत्रं किमर्थम् आह्वयति ?

   iii. पुत्रः प्रथमं किं खादति ?

   iv. माता किं किं कृतवती भोजनार्थम् ?

   v. पायसं कथम् अस्ति ?

आपने क्या सीखा

- विभिन्न परिस्थितियों में वार्तलाप करना।
- विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार वाक्यों का निर्माण।

पाठांत प्रश्न

1. अपने दोस्तों के साथ समूह बनाकर आपस में संस्कृत भाषा में संप्रेषण का अभ्यास कीजिए।

mÙkjekyk

10.1

i. त्रीणि

ii. ग्रन्थालयः

iii. सुरेशः

iv. सन्तोषार्थम्

v. चित्र–पुस्तकम्

10.2

i. पुत्रम्

ii. भोजनार्थम्

iii. मधुरम्

iv. अन्नसारं पायसं च

v. सन्यक्